हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

11 असत्य पर सत्य की जीत का नाम परशुराम: महंत लालनाथ

12 खेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन छात्र-छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुख

डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 7 कोर्स में 480 सीटें

नारनौल पॉलिटेक्निक में बजा 'एडमिशन का बिगुल': 20 अप्रैल से ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

इस बार एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग नया कोर्स शुरू, 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी अलग-अलग तिथियों में कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

तकनीकी शिक्षा की राह देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 20 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया हरियाणा स्टेट टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी (एचएसटीईएस) द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी। संस्थान प्रशासन को इस वर्ष भी बड़ी संख्या में आवेदनों की उम्मीद है।

10वीं व 12वीं की अलग-अलग तिथियां निर्धारित

प्रवेश प्रक्रिया के तहत 10वीं के आधार पर डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में दाखिले के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 20 अप्रैल से शुरू होकर 18 मई 2026 तक चलेगा। वहीं, 12वीं आधार (लेटरल एंट्री) से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 अप्रैल से शुरू होकर 19 मई 2026 तक जारी रहेगी। इच्छुक अभ्यर्थी एचएसटीईएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन कर सकते हैं। सभी प्रवेश मेरिट के आधार पर होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी एचएसटीईएस की आधिकारिक वेबसाइट https://hstes.org.in पर जाकर निर्धारित तिथियों के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं।

नारनौल। बाबा खेतानाथ पॉलीटेक्निक का भवन। फोटो: हरिभूमि

सात प्रमुख कोर्स, इंडस्ट्री डिमांड के अनुसार तैयार सीटें

संस्थान में इस बार कुल 7 प्रमुख डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें सिविल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं कंट्रोल, मैकेनिकल और इस सत्र से शुरू किया गया नया कोर्स एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग शामिल है। इन सभी कोर्सों में कुल 480 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सबसे अधिक 120 सीटें हैं, जबकि अन्य प्रत्येक शाखा में 60-60 सीटें निर्धारित की गई हैं। नए शुरू हुए एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

आधुनिक सुविधाएं और प्लेसमेंट पर खास फोकस

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। संस्थान में आधुनिक लैब, उन्नत वर्कशॉप और अनुभवी फैकल्टी उपलब्ध है। यहां विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और इंडस्ट्री आधारित अनुभव भी दिया जाता है। संस्थान विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करता है, जिससे वे पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के क्षेत्र में कदम रख सकें। बेहतर शैक्षणिक माहौल और अनुशासन के चलते संस्थान ने हरियाणा के पॉलिटेक्निक संस्थानों में छठा स्थान भी हासिल किया है।

प्रधानाचार्य बोले, समय पर आवेदन कर उठाएं मौका

संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने बताया कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि यहां छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ इंडस्ट्री आधारित ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे पूरी तरह रोजगार के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने सभी इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की कि वे समय पर आवेदन कर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। साथ ही अभ्यर्थियों को सलाह दी कि आवेदन से पहले सभी जरूरी दस्तावेज तैयार रखें और समय-समय पर एचएसटीईएस की वेबसाइट पर अपडेट चेक करते रहें।

संपर्क के लिए ये हैं विकल्प

प्रवेश से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विद्यार्थी संस्थान के फोन नंबर 01282-250302 या ईमेल **gpnarnaul@hry.nic.in** पर संपर्क कर सकते हैं।

यह लगाने होंगे दस्तावेज

एडमिशन के लिए हरियाणा के विद्यार्थियों परिवार पहचान पत्र की कॉपी, 10वीं मार्कशीट की डिटेल, फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर, एक आईडी, कैटेगरी सर्टीफिकेट लगानी होगी। डिप्लोमा कोर्स के लिए फीस एक हजार रुपये लगेगी। रिजर्व कैटेगरी एवं छात्राओं की फीस 700 रुपये लगेगी।

खबर संक्षेप

विशेष बिजली बिल समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 21 अप्रैल को विशेष बिजली अदालत एवं बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे।

पिकअप की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

कनीना। गांव कलवाड़ी में पिकअप गाड़ी की टक्कर से टहल रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बारे में साहिल वासी कलवाड़ी ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उसका पिता बिजली से सम्बंधित कार्य करते थे, जो सायं खाने के बाद कमलेश व शारदा के साथ टहलने निकले थे। रात करीब पौने नौ बजे वापस लौटते समय ग्लोबल स्कूल के पास अटेली की ओर से तेज गति से आ रही पिकअप उन्हें टक्कर मार दी।

अटेली क्षेत्र में आज पहुंचेगी सद्भाव यात्रा

मंडी अटेली। पूर्व आईएएस अधिकारी एवं कांग्रेस नेता पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा 20 अप्रैल को अटेली क्षेत्र में प्रवेश करेगी। यात्रा को लेकर क्षेत्र के गांवों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है और जगह-जगह स्वागत की तैयारियां की गई हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बताया कि यात्रा सुबह 10 बजे चंदपुरा से शुरू होकर 11 बजे सुजापुर, 12 बजे बेगपुर, 1 बजे उनींदा और दोपहर 3 बजे धनोदा पहुंचेगी।

अपग्रेड क्लास में भी 5 से 15 हजार तक वसूली, अभिभावक आर्थिक बोझ तले दबे

हर साल 'एडमिशन फीस' के नाम पर लूट! नियम एकबार का, वसूली बार-बार

सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा, प्राइवेट में फंड के नाम पर बढ़ता खर्च, शिकायत न आने का दावा, अभिभावक डर और मजबूरी में चुप

निजी स्कूलों में हर साल 5 हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक एडमिशन फीस वसूली जा रही

राजकुमार ⏭ नारनौल

शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले स्कूल अब अधिकांश अभिभावकों के लिए आर्थिक बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। सरकारी नियमों के अनुसार किसी भी स्कूल में एडमिशन फीस केवल एकबार, यानी पहली बार प्रवेश लेने के समय ही ली जा सकती है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। जिले में प्राइवेट स्कूल हर साल कक्षा अपग्रेड होने पर भी 'एडमिशन फीस' के नाम पर हजारों रुपये वसूल रहे हैं, जिससे अभिभावकों में भारी रोष और मानसिक तनाव बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, निजी स्कूलों में हर साल 5 हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक एडमिशन फीस वसूली जा रही है। जबकि नियम साफ कहता है कि एक ही स्कूल में पढ़ रहे बच्चे से अगली कक्षा में जाने पर एडमिशन फीस नहीं ली जा सकती। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन ट्यूशन फीस, बिल्डिंग फंड और अन्य फंडों के साथ इस अतिरिक्त शुल्क को भी जोड़कर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा रहे हैं।

Class	Monthly Fee	Quarterly Fee	Half Yearly Fee	Yearly Fee	Admission Fee
Nursery	1300	3800	7500	15000	5000
LKG	1300	3800	7500	15000	5000
UKG	1300	3800	7500	15000	5000
1st	1350	3950	7800	15600	5000
2nd	1350	3950	7800	15600	5000
3rd	1450	4250	8400	16800	5000
4th	1450	4250	8400	16800	5000
5th	1500	4400	8700	17400	8000
6th	1550	4550	9000	18000	8000
7th	1650	4850	9600	19200	8000
8th	1750	5150	10200	20400	8000
9th	1850	5450	10900	21800	8000
10th	2000	5900	11700	23400	10000
10+1 (Arts)	2100	6200	12300	24600	11000
10+1 (Comm.)	2500	7400	14700	29400	10000
10+1 (Sci.)	3200	9500	18900	39800	13000
10+2 (Arts)	2300	6800	13500	27000	11000
10+2 (Comm.)	2700	8000	15900	31800	10000
10+2 (Sci.)	3500	10400	20700	41400	13000

सरकारी स्कूलों में राहत, प्राइवेट में बढ़ता बोझ

जहां एक ओर सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक शिक्षा पूरी तरह मुफ्त है और ये स्कूल आरटीई एक्ट के दायरे में आते हैं, वहीं प्राइवेट स्कूलों में ऐसी कोई राहत नहीं है। सरकारी स्कूलों में भी आठवीं के बाद जब बच्चा नए स्कूल में दाखिला लेता है, तभी नौवीं कक्षा में एकबार एडमिशन फीस ली जाती है। इसके बाद दसवीं से बारहवीं तक केवल नाममात्र के सरकारी फंड ही लिए जाते हैं। इसके विपरीत, निजी स्कूलों में हर साल एडमिशन फीस के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। गांवों में संचालित छोटे स्तर के निजी स्कूलों में भी नर्सरी कक्षा में लगभग 5 हजार रुपये से लेकर बारहवीं तक 13 हजार रुपये तक की केवल एडमिशन फीस ली जा रही है, अन्य फंड एवं ट्यूशन फीस अलग है। ऐसे में बड़े शहरों के नामी स्कूलों की फीस सुनकर ही अभिभावकों के पसीने छूट जाते हैं।

'इंग्लिश मीडियम' के नाम पर भारी भरकम वसूली

प्राइवेट स्कूल खुद को सीबीएसई पैटर्न और इंग्लिश मीडियम शिक्षा देने वाला बताकर अभिभावकों को आकर्षित करते हैं, लेकिन इसी आड़ में मोटी फीस वसूली जाती है। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई अभिभावक बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने तक को मजबूर हो जाते हैं। घर का बजट बिगड़ जाता है और परिवार आर्थिक संकट में घिर जाता है। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों के भविष्य के साथ समझौता नहीं करना चाहते, इसलिए मजबूरी में स्कूलों की हर शर्त माननी पड़ती है। कई लोग शिकायत करना भी चाहते हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन के दबाव और बच्चों पर असर पड़ने के डर से चुप रह जाते हैं।

पेरेंट्स का दर्द: "बच्चों का भविष्य या घर का बजट?"

पीड़ित अभिभावकों सत्यवीर, कैलाश चंद, पवन कुमार, सुदेश आदि ने बताया कि हर साल एडमिशन फीस के नाम पर हजारों रुपये देने पड़ते हैं। एकबार एडमिशन लेने के बाद भी स्कूल वाले हर क्लास में नई फीस जोड़ देते हैं। समझ नहीं आता बच्चों की पढ़ाई करवाएं या घर का खर्च चलाएं। दो बच्चों की पढ़ाई है, एक की फीस भरते हैं तो दूसरे के लिए पैसे जुटाने पड़ते हैं। कई बार उधार लेना पड़ जाता है। स्कूल वालों से बात करो तो साफ कह देते हैं, नहीं भरोगे तो नाम काट देंगे। सरकार व अधिकारी कहते हैं नियम है, लेकिन जमीन पर कोई सुनवाई नहीं। डर लगता है कि शिकायत करेंगे तो बच्चे को स्कूल में परेशान किया जाएगा। मजबूरी है, इसलिए सब सहना पड़ रहा है।

नियम साफ, फिर भी कार्रवाई नहीं

एक खंड शिक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नियमों के अनुसार एडमिशन फीस केवल पहली बार ही ली जा सकती है। अगली कक्षा में अपग्रेड होने पर यह शुल्क नहीं लिया जाना चाहिए। केवल ट्यूशन फीस और निर्धारित फंड ही लिए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी माना कि अधिकांश निजी स्कूल प्रभावशाली लोगों या पूंजीपतियों द्वारा संचालित हैं, जिससे वे नियमों की अनदेखी करते हैं और प्रशासनिक निर्देशों को गंभीरता से नहीं लेते। फिलहाल, सवाल यही है कि जब नियम स्पष्ट हैं, तो फिर उनके पालन में ढिलाई क्यों? और कब तक अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य के लिए इस आर्थिक बोझ को ढोते रहेंगे।

शिकायत आएगी तो होगी कार्रवाई: डीईओ

सरकार हर साल 'फॉर्म-6' के माध्यम से प्राइवेट स्कूलों से फीस का पूरा ब्योरा लेती है। अब तक उनके कार्यालय में किसी अभिभावक की ओर से अधिक फीस वसूली की लिखित शिकायत नहीं आई है। यदि कोई अभिभावक शिकायत करता है तो विभाग जरूर संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगा।

-डॉ. विश्वेश्वर कौशिक, जिला शिक्षा अधिकारी, नारनौल।

खेड़की दोहन नदी में पाइप लाइन से नहरी पानी डालने का कार्य शुरू

महेंद्रगढ़। नारियल फोड़कर शुभारंभ करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने खेडकी दोहन नदी में पाइप लाइन से नहरी पानी डालने का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। ग्रामीणों द्वारा विधायक का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि खेड़की दोहन नदी में पाइप लाइन के माध्यम से नहरी पानी पहुंचाने की यह योजना क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी। इससे भूजल स्तर में सुधार होगा और खेती के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 1600 एमएम व्यास की यह पाइप लाइन करीब आठ किलोमीटर लंबी होगी, जिससे लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का स्थाई समाधान होगा।

गांवों में भूजल स्तर सुधरेगा

विधायक ने कहा कि क्षेत्र में गिरते भूमिगत जल स्तर को सुधारना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि खेडकी दोहन नदी में नहरी पानी डालने की यह योजना जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आसपास के गांवों में भूजल स्तर में सुधार आएगा। यह परियोजना केवल पानी पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी, फसलों की पैदावार बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। सरकार जल संरक्षण और बेहतर प्रबंधन को लेकर गंभीर है।

बीआरओ में कार्यरत मिर्जापुर बाछौद के विंग कमांडर की एक्सीडेंट में मौत

नारनौल। गांव मिर्जापुर बाछौद निवासी बाबूलाल का रविवार को अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में सैन्य व राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके निधन पर पूरे गांव में शोक का माहौल रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। मुखाग्नि उनके पुत्र डॉ. नितिन ने दी। जानकारी के अनुसार विंग कमांडर बाबूलाल वर्ष 1996 से बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) की 110 आरसीसी यूनिट में ड्राइवर के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। शनिवार को वे कार से राजौरी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुंछ-राजौरी क्षेत्र में उनकी कार की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें तुरंत उपचार के लिए चंडीगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बाबूलाल ने अपने सेवाकाल में देश के विभिन्न दुर्गम इलाकों में ड्यूटी दी। उन्होंने दो वर्षों तक भूटान में भी अपनी सेवाएं दीं। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है और लोग उनके योगदान को याद कर रहे हैं। अंतिम संस्कार के दौरान नारनौल से उप निरीक्षक विजयपाल के नेतृत्व में पहुंचे हरियाणा पुलिस के जवानों ने मातमी धुन बजाकर शोक सलामी दी।

शास्त्री नगर में दिनदहाड़े चोरी, मुख्य सड़क पर भी नहीं थम रहे चोर

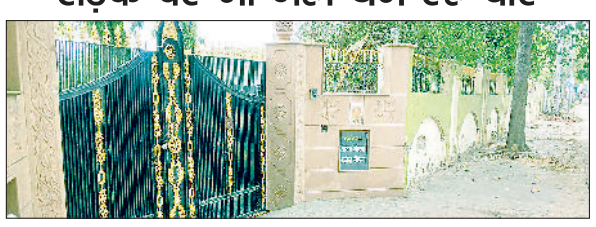

नारनौल। महेंद्रगढ़ रोड पर बना मकान, जहां चोरी हुई। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के महेंद्रगढ़ रोड स्थित शास्त्री नगर इलाके में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब मुख्य सड़क पर स्थित मकान भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। ताजा मामला दिनदहाड़े हुई चोरी का है, जहां अज्ञात चोरों ने बेखौफ होकर एक खाली पड़े मकान को निशाना बनाया और वहां से सामान चोरी कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, शास्त्री नगर निवासी श्रीराम खोश्या के मकान में यह घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि खोश्या परिवार कुछ समय पहले ही हुड्डा सेक्टर-एक स्थित अपने नए फ्लैट में शिफ्ट हो चुका है, जिसके कारण उनका पुराना मकान खाली पड़ा था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब सुबह करीब 6:30 बजे सिक्योरिटी गार्ड मकान की लाइट बंद करने के लिए अंदर पहुंचा। अंदर का नजारा देखकर वह हैरान रह गया। जांच करने पर पता चला कि चोर बाथरूम में लगे सरकारी पानी के मीटर सहित अन्य एसेसरी उखाड़कर ले गए हैं।

अतिथि अध्यापकों ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू करने की लगाई गुहार

नांगल चौधरी। सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 की नियमितीकरण नीतियों को वैद्य करार दिया है। इसके बाद हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की बैठक जिला प्रधान अमीलाल कसाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष दिनेश यादव तथा महासचिव भूपेंद्र सिंह मौजूद रहे। उन्होंने अदालत के निर्देशानुसार अतिथि अध्यापकों को तुरंत प्रभाव से नियमित करने तथा 2014 से सेवा लाभ देने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में हरियाणा सरकार ने ग्रुप बी, सी और डी के कच्चे कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए नीतियां बनाई थी, जिनके तहत कई विभागों में हजारों कर्मचारियों को स्थायी किया गया था। अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी, लेकिन विधानसभा चुनाव के कारण आचार संहिता लागू होने से यह मामला अधूरा रह गया। शिक्षक संघ ने आरोप लगाया कि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने इन नीतियों को होल्ड पर डाल दिया और बाद में न्यायालय में चुनौती के चलते प्रक्रिया और लंबी खिंच गई।

लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे, कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी

महेंद्रगढ़ नगर पालिका बनाएगी दो स्थाई पार्किंग, काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नगर पालिका द्वारा अब दो स्थाई पार्किंग बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। नगर पालिका के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान व्यापारियों एवं दुकानदारों ने नपा पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया था। दुकानदारों का कहना था कि जाम की समस्या व भीड़भाड़ सड़कों व मुख्य बाजारों में सड़कों के किनारे खड़े रहने वाले वाहनों से लोगों की परेशानी बढ़ रही है।

अब नगर पालिका की ओर से शहर के प्राचीन किले के नजदीक व नगर पालिका के सामने दो स्थानों पर स्थाई पार्किंग बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। अब यह दो पार्किंग शुरू करने के लिए पैमाइश का काम पूरा किया गया है। दोनों पार्किंगों में सीसीटीवी व कर्मचारियों की नियुक्ति कर नपा की आय बढ़ाने की योजना भी है।

महेंद्रगढ़। यहां बनाई जानी है स्थाई पार्किंग। फोटो : हरिभूमि

तीन अस्थाई पार्किंग देखरेख के अभाव में नहीं नहीं हुई शुरू

नगर पालिका की ओर से गत वर्ष दिसंबर में बालाजी चौक, नगर पालिका गेट के सामने व प्राचीन किले के नजदीक तीन स्थानों पर अस्थाई पार्किंग शुरू की थी, लेकिन यहां न ही तो सीसीटीवी कैमरे थे और न किसी कर्मचारी की तैनाती थी।

इन पार्किंगों में न ही तारबंदी की गई और न ही कोई चारदीवारी लगाई थी। सुविधाओं के अभाव में यह पार्किंग शुरू तक नहीं हो पाई थी।

नपा के अधिकारियों ने निगरानी को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जिसके चलते यह पार्किंग शुरू तक नहीं हो पाई। बिना सुरक्षा सुविधाओं के लोगों ने भी इन पार्किंगों में अपने वाहन तक नहीं खड़े किए। शहर में एक भी स्थाई पार्किंग नहीं है। पार्किंग के अभाव में लोग भी मजबूरीवश अपने वाहनों को सड़कों के किनारे या फिर बाजारों में जिन दुकानों से खरीददारी करते हैं उन्हीं के सामने खड़े कर देते हैं। ऐसे में दिनभर इन बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों से जाम के हालात बन जाते हैं। लेकिन अब यह पार्किंग शुरू होने से शहर के मुख्य बाजारों एवं सड़कों पर जाम के झाम से राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

शुल्क से बढ़ेगी नपा की आय

शहर में नगर पालिका के गेट के सामने व प्राचीन किले के नजदीक दो स्थाई पार्किंग शुरू की जाएंगी। इनमें सीसीटीवी कैमरे, कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी। साथ ही वाहनों पर शुल्क लगाकर नपा की आय बढ़ाने का भी प्रयास किया जाएगा। शहर बाजार में सड़कों के किनारों पर खड़े रहने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

-रमेश सैनी, चेयरमैन, नगर पालिका महेंद्रगढ़।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

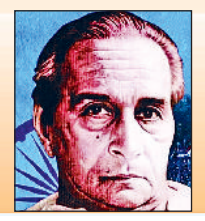

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।

एआई जेनरेटेड इमेज

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुजुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से में लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें'– जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही जज़्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी'– प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज़ है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापनः रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफरः योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हज़ार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औज़ारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

व्यंग्य आसिम अनमोल

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गिरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। ग़रीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बवैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी जरूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना जरूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत जरूरी है। बवैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नागवार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बवैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल जरूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बीटेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विजन जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विजन एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

दिव्या तंवर
मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह
कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश् वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेजेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाश्ष तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। दैनिक रेलयात्री जागरूक संघ की ओर से स्वच्छ भारत, स्वच्छ रेलवे स्टेशन अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संघ के सदस्यों ने स्टेशन परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन अधीक्षक से एक पीपल का पौधा भी लगवाया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा सके। संघ के सदस्यों ने स्टेशन अधीक्षक से प्लेटफॉर्म पर डस्टबिन की कमी का मुद्दा भी उठाया, जिस पर उन्होंने जल्द ही अतिरिक्त डस्टबिन लगाने का आश्वासन दिया।

हरे चारे की सवामणी करके लग्न समारोह का शुभारंभ

नांगल चौधरी। ढाणी बाठोठा निवासी प्रशांत कुमार दुल्हे ने गोशाला में हरे चारे की सवामणी करके लग्न समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को गोपालन के लिए प्रेरित किया, जिससे भारतीय संस्कृति संरक्षित होगी तथा स्वस्थ भारत का निर्माण में योगदान हो सकेगा। कार्यक्रम में में उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष मंजीत गुणवाल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और गाय एक दूसरे की पूरक हैं, लेकिन बीते दशकों से लोगों का रूझान गोपालन से हट गया, जिस कारण खानपान की पौष्टिकता में गिरावट आई है।

हवन व व्यासपीठ पूजा से श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

महेंद्रगढ़। शहर की सब्जी मंडी के नजदीक स्थित कमला भवन धर्मशाला में सभी भक्तों की ओर से चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का साध्वी राधा रानी की देखरेख में हवन-पूजन से समापन करवाया गया, जिसका पूजन विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार से करवाया गया। इस कार्यक्रम के यजमान दर्शन खुराना एवं कविता खुराना सपरिवार थे, जबकि प्रसाद की व्यवस्था ऊषा शर्मा पत्नी रवि शर्मा, ममता सचदेवा पत्नी मुकेश सचदेवा, बसंत सेठ व भूषण सेठ अनाज मंडी वालों के द्वारा करवाई गई। यज्ञ देवता की महिमा के बारे में साध्वी राधा रानी ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा की समाप्ति पर हवन करने के पीछे धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारण है। यह अनुष्ठान कथा के समापन का एक विभिन्न हिस्सा है।

शहर हुआ राधामय, गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 190वीं व 191वीं प्रभात फेरी मोहल्ला बावड़ीपुर व सैनी धर्मशाला सलामपुरा से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान दिनेश जांगिड़ व रजन सैनी परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्ज्वलित की। संगठन संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि संगठन की ओर से आज दो प्रभात फेरी का आयोजन अलग अलग स्थान से किया गया। उन्होंने बताया कि चार जून को नारनौल से मां वैष्णों देवी की पांच दिवसीय धार्मिक यात्रा चुलकाना धाम, ब्रम्हसरोवर कुरुक्षेत्र, शिवखोरी, गोल्डन टेम्पल अमृतसर व बाघा बॉर्डर के लिए जाएगी।

प्रभात फेरी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नारनौल। शहर में राधे नाम की प्रभात फेरी का सफल संचालन करने वाली संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 170वीं प्रभात फेरी बड़े ही श्रद्धा, उत्साह व भक्ति भाव के साथ निकाली गई। यह प्रभात फेरी हुडा सेक्टर से आरंभ हुई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस पावन प्रभात फेरी के यजमान नवीन वर्मा व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की शुरूआत यजमान के निवास स्थान पर ठाकुर जी की भव्य आरती से हुई, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर सम्मानित किया गया।

परशुराम जयंती पर सिहमा में किया हवन

असत्य पर सत्य की जीत का नाम परशुराम: महंत लालनाथ

- 36 बिरादरी के लोगों को यज्ञ में आहुति डाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। भगवान परशुराम मंदिर सिहमा में हवन में आहुति डालते लोग। व जयंती कार्यक्रम में महंत लालनाथ को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य पर रविवार को सिहमा में शिव परशुराम मंदिर में हवन यज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट हेमंत भारद्वाज सिहमा ने बताया कि अनेक वर्षों से सिहमा में भगवान परशुराम जयंती को समाजिक सौहार्द के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में बाबा भैरुनाथ आश्रम खोल के महंत लालनाथ महाराज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने वेद मंत्रों के 36 बिरादरी के लोगों को यज्ञ में आहुति दिलवाई।

इस अवसर पर महंत लालनाथ महाराज ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्म गो और धर्म की रक्षा के लिए हुआ था। उन्होंने भारत की भूमि पर जन्म लेकर तत्कालीन दुष्ट अत्याचारियों का 21 बार संहार किया था। असत्य पर सत्य की विजय का नाम ही परशुराम है। महंत लालनाथ ने परशुराम जयंती को समाजिक एकता और सौहार्द के रूप में मनाने के एडवोकेट हेमंत भारद्वाज सिहमा की सराहना की। समाज में समाजिक कार्य करने वाले व्यक्तियों को महंत लालनाथ भगवान परशुराम की स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर ब्राह्मण सभा सतनाली के प्रधान शिवकुमार शास्त्री, रतनलाल मिश्रा, लक्ष्मीनारायण जोशी, जगदीश शर्मा बाघोत, नेमीचंद शांडिल्य, एडवोकेट शौरभ, महेंद्र शास्त्री अटाली, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, गजेन्द्र भारद्वाज, मनोज शर्मा, कालूराम डेरोली अहीर, कृष्ण बेवल, सत्यनारायण शर्मा अटेली, मुकेश बलायचा, केदार शर्मा, रजनीश भोजावास, नरेश जोशी, अजीत ठाकुर जाट गुवाना, डॉ. ललित मोहन जोशी नांगल चौधरी, गोविंद शर्मा एडवोकेट, खेमचंद शर्मा, विक्रम सरपंच मुंडियाखेड़ा, सूबे सरपंच, इंद्रजीत यादव, नरेश सरपंच, राजेंद्र सिंह, सत्यवीर शर्मा सुरानी, रामेश्वर दयाल, राजेश गुप्ता, हीरालाल नंबरदार कोटिया सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

कुलताजपुर में राहगीरों को पिलाई ठंडाई

नारनौल। राहगीरों को ठंड जल पिलाते युवक। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल। भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर गांव कुलताजपुर में श्रद्धा व सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर गांव की युवा पीढ़ी के नौजवानों ने महंत प्रेमदास महाराज के पावन सानिध्य में राहगीरों के लिए ठंडाई सेवा का आयोजन किया। गर्मी के बीच युवाओं द्वारा लगाई गई यह सेवा छवि सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही। राहगीरों ने ठंडाई ग्रहण कर राहत महसूस की और युवाओं के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में दीपक, भोलू, निखिल, चुनू, नितिन, पंकज, मिक्कू, हर्ष सहित कई युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य को सफल बनाया। महंत प्रेमदास महाराज ने युवाओं के इस नेक कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते है। उन्होंने युवाओं को आगे भी इसी तरह सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

परशुराम जन्मोत्सव पर कनीना में किया हवन

कनीना। अक्षय तृतीया के अवसर पर रविवार को क्षेत्र में धार्मिक व सांस्कृतिक उत्साह देखने को मिला। इसी क्रम में अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में श्रीगौड़ सभा की ओर से नेताजी मेमोरियल क्लब में हवन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभा के पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और विधिविधान के साथ हवन संपन्न कराया। इस अवसर पर भगवान परशुराम को श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया गया। वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन, उनके आदर्शों और धर्म के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों को उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। सभा के प्रतिनिधियों ने कहा कि अक्षय तृतीया का दिन शुभ कार्यों और नई शुरूआत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन किए गए धार्मिक कार्यों का फल अक्षय रहता है, इसलिए हवन, दान पुण्य और पूजा अर्चना का विशेष महत्व है। अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर सभा प्रधान रविंद्र कौशिक, सुरेश शर्मा, प्रेम शर्मा, सुरेश वशिष्ठ, डॉ. अजीत शर्मा, बसंत लाल आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर श्रीगौड़ परिषद ने लगाई छबील

नांगल चौधरी। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर श्रीगौड़ परिषद ने कोटपूतली रोड पर स्थित परशुराम सेवा सदन में ठंडी शिकंजी की छबील लगाई तथा राहगीरों को फल वितरित करके भगवान परशुराम के आदर्शों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान हवन में आहुति डालकर विश्व कल्याण की मन्नतें मांगी गई।

सिहमा में चला स्वच्छता अभियान रविदास चौपाल को किया साफ

मंडी अटेली। खंड सिहमा स्थित रविदास चौपाल में स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। अभियान का नेतृत्व पूर्व पंच बनवारी लाल ने किया, जिसमें ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान के दौरान चौपाल परिसर और आसपास फैले कूड़ा-कचरे को एकत्रित किया गया। बाद में ग्राम पंचायत के ट्रैक्टर के माध्यम से कचरे का उचित निष्पादन किया गया। ग्रामीणों ने साफ-सफाई को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया और गांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश दिया। इस मौके पर सरपंच सुमन यादव कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि गांव को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियानों में भाग लें और अपने आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयास से ही गांव को स्वच्छ और आदर्श बनाया जा सकता है। ग्रामीणों ने साफ-सफाई को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और गांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश दिया। वहीं पूर्व पंच बनवारी लाल ने कहा कि इस तरह के अभियान गांव में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को एकजुट करने का काम करते हैं। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखने की बात कही।

परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। परशुराम जन्मोत्सव पर मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर रविवार को अटेली में भगवान परशुराम गौड़ ब्राह्मण सभा (रजि. 0030) द्वारा द्वितीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और आयोजन को सफल मनाया। कार्यक्रम पर सुबह सवा आठ बजे विधिवत हवन यज्ञ के किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने भगवानन परशुराम के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हरियाणवी कलाकार गगन शर्मा ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में रंग भर दिया। मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर धर्म की स्थापना की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कुलदीप वशिष्ठ (प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा) सहित विशिष्ट अतिथि एडवोकेट राकेश शर्मा, अमित भारद्वाज, बुद्धिप्रकाश शर्मा व भूपसिंह मास्टर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम पीठाधीश्वर श्रीश्री 1008 महाराज शंकर दास के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के बच्चों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में सभा के प्रधान गौरव गौड़, सचिव ईश्वर, राजेश कौशिक, जोशी, कोषाध्यक्ष भवानी शंकर कार्यकारणी सदस्य कमल वशिष्ठ, मनोज मुदगिल, रोहतास मुनीम, नरेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा (बीईओ), शिवकुमार शर्मा, रामप्रसाद शास्त्री, आलोक कौशिक, एडवोकेट सुमित गौड़, पंकज गौड़, रामकिशन शर्मा, मुकेश महासर आदि मौजूद रहे।

गांव-शहर में ही रही पैमाइशों में गाइडलाइन का सख्ती से हो पालन

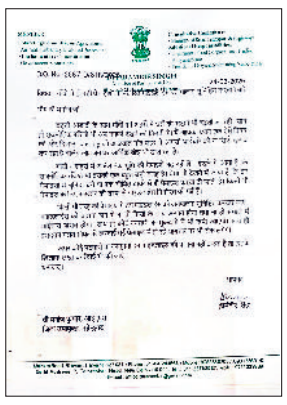

महेंद्रगढ़। गांवों व शहरों में हो रही पैमाइशों को लेकर सांसद धर्मबीर सिंह ने जिला उपायुक्त को पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने जिला उपायुक्त को लिखे अपने पत्र में निर्देश दिया है कि सभी प्रकार की पैमाइशों में निर्धारित गाइडलाइंस का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। संदीप मालड़ा ने बताया कि लंबे समय से सांसद धर्मबीर सिंह को अनेक मामलों में ये शिकायत मिल रही थी कि बहुत सी पैमाइश पूरे सही तरीके से नहीं हो रही थी। राजनीतिक द्वेष 0 अन्य अनेक कारणों से पैमाइश करवाई जाती है, परंतु इनमें सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन नहीं होता है, जिससे ये पैमाइश सही नहीं हो पाती है। गलत तरीके से की गई पैमाइश से ना सिर्फ सामाजिक माहौल खराब होता है, बल्कि बहुत बार तो अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है तथा मुकदमेबाजी भी बढ़ती है। साथ ही गांव-मौहल्ले का आपसी भाईचारा भी खराब होता है। गरीब आदमी पर बिना वजह का आर्थिक बोझ पड़ता है या फिर उसे नाजायज तंग किया जाता है। जबकि हरियाणा सरकार की तरफ से लैंड रिकार्ड मैनुअल में सभी गाइडलाइंस स्पष्ट रूप से निर्धारित कर रखी है। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि इन गाइडलाइंस का सख्ती से पालन सुनिश्चित करवाया जाए तथा राजस्व विभाग का जो भी कर्मचारी या अधिकारी इनकी अनुपालना नहीं करता उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

श्रीश्याम बाबा का जागरण किया

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को रेवाड़ी रोड पर कैलाश नगर में जगदीश प्रसाद सैनी ठेकेदार, संजय सैनी, चिंटू सैनी के निवास स्थान पर जागरण किया गया। जिसमें मुख्य यजमान जगदीश प्रसाद सैनी परिवार रहा। जिसकी अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। इस अवसर पर सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य अजय शर्मा ने मुख्य यजमान जगदीश प्रसाद सैनी, कृष्णा देवी से परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिकल ग्रुप से सुनील कुमार ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना के बाद श्रीसंजय शर्मा ने खाटू के श्यामजी रखोंगे मेरी लाज, जिगर लखेरा ने मोर छड़ी लहराई रे, अजय शर्मा ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, सुमित्रा सैन ने तेरा कृष्ण काला री काटे है चाला री, बबलू शर्मा ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है आदि भजन सुनाकर वातावरण श्याम में बना दिया।

नारनौल। जागरण में यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

डॉ. आंबेडकर की जीवनी से मिलती रहेगी प्रेरणा

नांगल चौधरी। डॉ. भीमराव अंबेडकर 135वीं जयंती नांगल दुर्गू में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। जिसमें विधायक मंजू चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रही। समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा, कांग्रेसी नेता सत्यपाल दहिया, ओमप्रकाश मांडैया ने बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने युवाओं को अंबेडकर की जीवनी से अवगत कराया तथा शिक्षित बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के संघर्षमय जीवन, उनके विचारों और संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। संविधान में प्रत्येक नागरिक को सर्वोच्च पद हासिल करने का अधिकार है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए गए हैं जिनका हनन करना कानून अपराध है। डॉ. अंबेडकर ने विषम परिस्थितियों में उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ समाज में फैली छुआछूत, अनपढ़ता तथा रूढीवादिता के खिलाफ संघर्ष किया था।

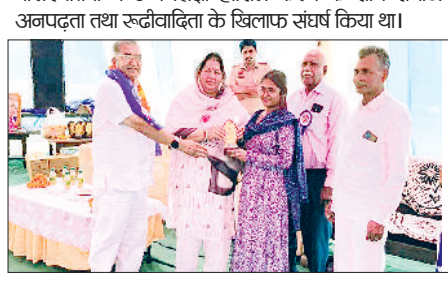

नांगल चौधरी। समारोह में मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करती विधायक मंजू चौधरी। फोटो : हरिभूमि

न्याय व वीरता के प्रतीक हैं भगवान परशुराम

सतनाली मंडी। श्री परशुराम पार्क सतनाली में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ, संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की सुख, समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने हवन में आहुति डाली और भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके चरणों में नमन किया। इस अवसर पर भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी के निवर्तमान प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समाज विशेष के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए न्याय और वीरता के प्रतीक हैं। भगवान परशुराम का जीवन हमें अधर्म के खिलाफ लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है। उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने प्राचीन काल में थे। हमें उनके जीवन के सिद्धांतों, त्याग और विचारों को अपने जीवन में आत्मसात कर समाज की उन्नति के लिए आगे बढ़ना चाहिए। इस मौके पर सुरेश सुरेहती, डॉ. अशोक शर्मा उरीका, डिगरोता से साधुराम शर्मा, सज्जन थानेदार, सुभाष शर्मा आदि मौजूद रहे।

नांगल दर्गू में धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की जयंती

नारनौल। गावं नांगल दृर्गू में भारतरत्न व संविधान निर्माता डा. भीम राव अंबेडकर की 135वी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई, जिसके संयोजक सूबेदार सेडाराम थे, जिसमें विशिष्ट अतिथि एचएमएल के पूर्व चेयरमैन सत्यपाल दहिया, डा. गजेसिंह चौपड़ा एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस एससी सैल के सचिव ओमप्रकाश माडंया थे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला तथा समाज में फैली हुई कुरुतियों गावं में डीजे बजाने, मृतभोज आदि न करके अपना पैसा अपने बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करने का संकल्प दिलाया गया, ताकि बच्चे आगे चलकर देश और प्रदेश एवं गांव व समाज का नाम रोशन कर सकें। बाबा साहब के बताए तीन नारों पर प्रकाश डाला। संगठित रहो, शिक्षत बनो एवं संघर्ष करो। उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुख्य रूप से अम्बेडकर सभा नांगल चौधरी के प्रधान मास्टर ईश्वर सिंह, पूर्व प्रधान सुनील मास्टर, राजेश, ओमप्रकाश थानेदार, भागीरथ बापला एवं गांव के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

एनएसएस कार्यकक्रम अधिकारी ने किया ग्रामीणों को स्व-गणना के लिए जागरूक

डिजिटल स्व-गणना स्टीक सूचना देने का मौका: धर्मसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ग्रामीणों को स्व-गणना के बारे में जागृत करते प्रवक्ता धर्मसिंह।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह ने डिजिटल स्व-गणना को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत उन्होंने ग्रामीण लोगों को डिजिटल स्व-गणना करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद देश में आठवीं जनगणना का हम सब हिस्सा बनने जा रहे हैं। हरियाणा प्रदेश में एक से 30 मई तक आवासों की गिनती का कार्य शुरू होने जा रहा है, जो जनगणना का प्रथम चरण है। इस चरण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी नागरिकों को डिजिटल स्व गणना का मौका दिया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपनी स्व गणना स्वयं कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अपने मोबाइल फोन से अधिकारिक पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करें, एक ओटीपी मिलेगा, उसके बाद डिजिटल मैप खुलेगा। उसमें अपने घर की पहचान करें, उसके बाद आवास व सुविधाओं से संबंधित 33 सवालों के सरल जवाब स्टीकटा के साथ भरें। अंत में सूचना सबमिट करने के बाद 16 अंकों की एसईआईडी प्राप्त होगी, उसे नोट कर ले, जब जनगणना करने वाला कर्मचारी घर पर आए तो उसे यह आईडी नंबर बताएं, जिसको कर्मचारी वेरीफाई करके फाइनल सबमिट करेगा। उन्होंने बताया कि इससे जनगणना कर्मचारी के समय की बचत होगी। आप घर बैठे अपनी सुविधा अनुसार कभी भी स्व गणना कर सकते हैं। आपके अपने आवास की जानकारी आप स्वयं अधिक स्टीकटा से भर सकते हैं। आप अपने आवास का नजीर नक्शा अच्छी प्रकार पहचान सकते हैं। अपनी जानकारी स्वयं भरने में किसी प्रकार का संकोच नहीं होगा। यह कार्य सुविधाजनक है। यह जानकारी सीधी सरकारी पोर्टल पर सुरक्षित रहती है। इससे सत्यापन करना आसान है।

सूचना रखी जाती है गोपनीय

स्व-गणना या आवास गणना में किसी भी प्रकार की भ्रांति मन में न रखें। आपके द्वारा दी गई सूचना पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाती है। इस जानकारी का कहीं दूसरी जगह प्रयोग नहीं किया जा सकता। आपको सरकार की ओर से पूर्व में जो सुविधाएं दी जा रही है, उन पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जनगणना में दी जाने वाली सूचनाओं के आधार पर देश में आगे की विकास योजनाएं बनाई जाती हैं। जिसमें सभी बुनियादी सुविधाओं व गरीब तथा जरूरतमंदों को ध्यान में रखकर नीति तैयार की जाती है। यदि हमारी जनगणना के आंकड़े सही होंगे, तो योजनाएं भी सही तरीके से बनेगी व लागू होगी।

खबर संक्षेप

बेटे की पुण्यतिथि पर की गोसवा, डाला हरा चारा

नारनौल। गोसेवा मंडल के सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा व भावपूर्ण वातावरण में मनोज जांगड़ा ने इकलौते पुत्र स्वर्गीय देवांशु की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री अनाथ गोशाला में गोमाता की सेवा हेतु हरी सब्जी की ट्रॉली अर्पित की। इस अवसर पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें परिवारजनों व मित्रों ने उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पुरानी मंडी में किया जागरण

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात्रि पुरानी मंडी में जागरण किया गया। जिसके मुख्य यजमान महावीर सैनी सपरिवार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान दौलतराम गर्ग ने की। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया। म्यूजिक मास्टर मोहन सागर ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया।

स्व. नेतराम व कलावती की स्मृति में सराहनीय पहल

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के तत्वावधान में स्व. नेतराम सैनी हवेली वाले व स्व. कलावती देवी की स्मृति में नंदी गोशाला रघुनाथपुरा में गोवंश के लिए 11 क्विंटल sहरे चारे की सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में क्षेत्र के युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। नलापुर के आंगनबाड़ी केन्द्र में पोषण पखवाड़ा के तहत गर्भवती महिला के विवाह की वर्षगाठ मनाई गई। करीना पत्नी साहिल की वर्षगाठ के अवसर पर आगनबाड़ी वर्कर आरती वर्मा, हेल्पर कृष्णा देवी, आशा वर्कर मुनेश व नीतू अन्य महिला पूनम, सोनाली, सपना, सुनिता आदि ने केक कटवाकर उनकी वर्षगांठ मनाई।

अप्रैल माह के दूसरे पखवाड़े में 40 पार पहुंचा तापमान

कनीना। अप्रैल माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी ने अपने तेवर तेज कर दिए हैं। तापमान लगातार बढ़ते हुए 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सुबह से ही तेज धूप व गर्म हवाओं का असर महसूस होने लगता है, जबकि दोपहर के समय हालात और भी गंभीर हो जाते हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखाई देता है और लोग घरों में ही रहने को मजबूर हैं। गर्मी का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बने अधिकांश जोहड़ और तालाब पानी के अभाव में सूख चुके हैं। इससे मवेशियों के सामने पानी का संकट खड़ा हो गया है। पशु पानी की तलाश में इधर उधर भटकते नजर आ रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

छात्राओं को बड़ी राहत: सभी कॉलेजों में ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए स्नातक कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश नोडल अधिकारी गगनदीप यादव ने बताया कि इस वर्ष सभी प्रवेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है और अभ्यर्थियों को समय-सीमा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने प्रवेश कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कॉलेज प्रोफाइल भरने की प्रक्रिया 17 अप्रैल से 25 अप्रैल तक पूर्ण की जा चुकी है। ऑनलाइन पंजीकरण सात मई से 31 मई तक किया जाएगा, जबकि आवेदन पत्र ओटीपी आधारित संशोधन एक जून तक संभव होगा। दो जून को सभी आवेदकों की सूची में आपत्तियां/त्रुटियां प्रदर्शित की जाएंगी। इसके बाद नौ मई से छह जून तक दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन एवं आपत्तियों का निवारण किया जाएगा। आठ जून 2026 को पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि प्रथम चरण (पहली काउंसलिंग) के अंतर्गत प्रथम मेरिट सूची (प्रोविजनल) 10 जून को तथा अंतिम मेरिट सूची 11 जून को जारी की जाएगी। इस सूची के आधार पर शुल्क जमा करने की तिथि 12 जून से 15 जून निर्धारित की गई है। द्वितीय चरण (दूसरी काउंसलिंग) में द्वितीय मेरिट सूची (प्रोविजनल) 16 जून को तथा अंतिम मेरिट सूची 17 जून को जारी होगी, जिसके लिए शुल्क जमा करने की तिथि 18 जून से 22 जून निर्धारित है। तृतीय चरण में बची हुई सीटों के लिए 24 जून को भौतिक काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। इसके बाद 25 जून को ऑनलाइन पोर्टल पुनः खोला जाएगा। 26 जून से दो जुलाई तक 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ तथा तीन जुलाई से 10 जुलाई तक 100 रुपये विलंब शुल्क के अतिरिक्त 100 रुपये प्रतिदिन के साथ काउंसलिंग जारी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि ये तिथियां 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के अनुसार परिवर्तित हो सकती हैं।

यूजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू, एनईपी-2020 के तहत होंगे एडमिशन

महेंद्रगढ़। महाविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट प्रणाली लागू

गगनदीप यादव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बहुविषयक स्नातक कार्यक्रम लागू किया गया है, जिसमें डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर्स, माइनर कोर्स, मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स, एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके साथ ही मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट प्रणाली लागू है, जिसके तहत एक वर्ष पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट, दो वर्ष पर डिप्लोमा, तीन वर्ष पर डिग्री तथा चार वर्ष पूर्ण करने पर ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च डिग्री प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के अनुसार बीएससी मेडिकल को बीएससी लाइफ साइंस तथा बीएससी नॉन-मेडिकल को बीएससी फिजिकल साइंस के रूप में जाना जाएगा।

ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ

इसके अतिरिक्त, नोडल अधिकारी गगनदीप यादव ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों को एक बार का गैर-वापसी योग्य पंजीकरण शुल्क 100 रुपये जमा करना होगा। साथ ही, स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत सभी छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा के तहत सभी कॉलेजों—सरकारी, अनुदानित एवं स्व-वित्तपोषित संस्थानों में ट्यूशन फीस पूर्णतः माफ रहेगी। इसके अलावा, हरियाणा के सरकारी महाविद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग के सभी विद्यार्थियों (लड़के एवं लड़कियां) के लिए भी ट्यूशन फीस पूरी तरह से माफ की गई है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिल सके। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में महाविद्यालय में प्रवेश लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

पोर्टल का करें अवलोकन

महाविद्यालय में इस सत्र में बीए, बीकॉम, बीसीए, बीएससी लाइफ साइंस एवं बीएससी फिजिकल साइंस जैसे स्नातक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करें तथा प्रवेश से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए नियमित रूप से पोर्टल का अवलोकन करते रहें।

आईटीआई के जर्जर भवन, नए सिरे से निर्माण की मांग

खेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुख: सुरेश चौधरी

- कंडम घोषित भवनों के स्थान पर शीघ्र नए निर्माण की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के जर्जर भवन को लेकर अब आवाज तेज हो गई है। शनिवार को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम के नारनौल आगमन के दौरान आईटीआई के चेयरमैन एवं मार्केट कमेटी नारनौल के वाइस चेयरमैन सुरेश चंद चौधरी तथा प्रिंसिपल विनोद खंगवाल ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर कंडम घोषित भवनों के स्थान पर नए भवन निर्माण की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि आईटीआई परिसर में नई बिल्डिंग को छोड़कर अन्य सभी पुराने भवनों को लोक निर्माण विभाग द्वारा कंडम घोषित किया जा चुका है। ऐसे में इन भवनों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा बना हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि वर्तमान स्थिति में केवल मरम्मत कार्य पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरी तरह नए भवनों का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

नारनौल। खेल मंत्री को ज्ञापन सौंपते चेयरमैन सुरेश चौधरी एवं प्राचार्य विनोद खनगवाल। फोटो : हरिभूमि

सीएम घोषणा के बावजूद नहीं हुआ समाधान

चेयरमैन सुरेश चंद चौधरी ने जानकारी दी कि 16 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री के नारनौल दौरे के दौरान आईटीआई भवनों की स्पेशल रिपेयर की मांग की गई थी। हालांकि, बाद में लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता द्वारा अधिकांश भवनों को कंडम घोषित कर दिया गया, जिससे स्पष्ट हो गया कि मरम्मत के बजाय पुनर्निर्माण ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि मुख्यमंत्री की घोषणा में संशोधन करते हुए स्पेशल रिपेयर के स्थान पर नए भवन निर्माण को स्वीकृति दी जाए।

भविष्य में हादसों से बचाव के लिए जरूरी कदम

चेयरमैन व प्रिंसिपल ने कहा कि भवनों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए किसी भी प्रकार की अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि समय रहते यदि नए भवनों का निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में जनहानि का खतरा बना रहेगा। इस पर मंत्री गौरव गौतम ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

नारनौल में हॉकी को मिलेगा नया संबल मंत्री ने एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड को दी मंजूरी

नारनौल। जिले में हॉकी खेल को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। शनिवार को हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम के नारनौल प्रवास के दौरान हॉकी एसोसिएशन के जिला प्रधान नीरज गौतम ने पदाधिकारियों के साथ ज्ञापन सौंपकर खेल सुविधाओं को सुदृढ़ करने की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि नारनौल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होने के बावजूद खेल सुविधाओं के अभाव में पिछड़ता जा रहा है। यहां के युवा प्रतिभाशाली और उत्साही हैं, लेकिन उन्हें उचित मार्गदर्शन और संसाधन नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेडियम और प्रशिक्षित कोच की व्यवस्था बेहद आवश्यक है, ताकि खिलाड़ियों को बाहर न जाना पड़े। नीरज गौतम, जो आदर्श बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के निदेशक भी हैं, ने मंत्री से अनुरोध किया कि नारनौल में आंतरिक व बाह्य खेलों की सुविधाओं के साथ एक आधुनिक स्टेडियम विकसित किया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तो नारनौल खेल के क्षेत्र में भी अग्रणी बनकर उभरेगा। मंत्री गौरव गौतम ने ज्ञापन पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए बड़कोदा गांव में एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस त्वरित कार्रवाई से हॉकी एसोसिएशन और जिले के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। एसोसिएशन के प्रधान नीरज गौतम ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मांग को तुरंत स्वीकार कर उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन जल्द ही पलवल जाकर खेल मंत्री का सम्मान करेगी।

नारनौल। गांव धनौंदा के स्थापना दिवस समारोह की शुरूआत करते नेताजी अतरलाल व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव धनौंदा का 763वां स्थापना दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव धनौंदा में ग्रामीणों ने गांव का 763वां स्थापना दिवस संकल्प दिवस के रूप में मनाया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने ग्रामीणों के साथ बाबा भैयां के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। अध्यक्षता सूबेदार मेजर मदन सिंह ने की। नेताजी अतरलाल ने बताया कि धनौंदा गांव का निकास खुडाना गांव से है। खुडाना गांव के जागीरदार ठाकुर नीमराव सिंह उर्फ नाभा सिंह ने विक्रम संवत 1321 में वैशाख सुदी दोज को अपने पिताजी ठाकुर धनजी सिंह के नाम पर गांव धनौंदा की स्थापना की थी। इस अवसर पर ग्रामीणों ने गांव की भलाई के लिए चार सूत्री संकल्प पत्र पारित किया। सभी ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से कर प्रस्ताव पारित करते हुए गांव की प्रतिभाओं को हर वर्ष सम्मानित करने, युवाओं व बच्चों में शिक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति जागृति पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने, गांव की स्थापना के समय लगाए गए प्राचीन जांटी के वृक्ष के संरक्षण के लिए उचित कदम उठाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में गांव का नाम रोशन करने वाली गांव की हस्तियों के नाम का गौरव पट्ट लगवाने के संकल्प लिया। इन कार्यों के लिए ग्रामीणों ने कैप्टन ओमपाल सिंह की अध्यक्षता में सात सदस्यीय कमेटी बनाई गई। जिसमें राजवीर सिंह पंच, सूबेदार मेजर मदन सिंह, हवलदार हवासिंह, पीतांबर प्रधान, अजय पहलवान, वेदपाल दहिया को शामिल किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर दादा मनोहर सिंह, ठाकुर राजेंद्र सिंह नंबरदार, महेंद्र फौजी, सूबेदार मेजर मदन सिंह, मीरसिंह वैद्य, मास्टर प्रहलाद सिंह, हेड मास्टर सूरत सिंह, सीताराम जांगिड़, पृथ्वी सिंह, पीतांबर प्रधान, किशनपाल, डॉ. मुकेश, हवलदार किशन सिंह, कलेक्टर सिंह, भूपेंद्र सिंह, नरेश कुमार, राजेंद्र सिंह पूर्व पंच, बाबूलाल प्रजापत, सुरेश पंडित, शिवकुमार स्वामी, धर्मेंद्र, वेदपाल दहिया, अजय पहलवान, रामवीर पंच, सुभाष, बृजपाल, प्रताप सिंह, योगेंद्र, हवासिंह, नरवीर, सूबेदार बाबूलाल शर्मा, सूरजभान, राजवीर, ईश्वर, महिपाल सिंह, महेंद्र सिंह, कैप्टन ओमपाल सिंह, राजवीर सिंह, ईश्वर सिंह, रामपाल, नवल आदि उपस्थित थे।

अंधे व्यक्ति के लिए स्मार्ट चश्मा बना सबके आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉ. रूपेश देशमुख और प्रोफेसर सुनील गुप्ता ने रिबन काटकर शुभारंभ किया, जिसमें मिडल और सीनियर कक्षा के बच्चों ने भाग लिया। छात्र रिहान ने लिफ्टिंग का वर्किंग मॉडल, निशांत ने हाईड्रो इलेक्टसीटी, दिव्या और आनिया ने हार्ट, भूमित, चिराग, लव ने लिफ्ट, केशव ने सोलर वोट, कमन, रियान और पियूष ने भूकंप का अलर्ट, हर्ष ने पानी और हवा को बचाने के लिए मॉडल, जतिन ने पानी से बिजली तैयार की, हार्दिक, मनीष, अमित और प्रतीक ने अंधेरे में वर्किंग करने वाला प्रोजेक्टर तैयार किया। सुहाना ने ब्रेन का मॉडल, जतिन, विकास, शिवांशु, शिवाजी ने सिक्योरिटी के लिए अलार्म मॉडल, साहिल और प्रदीप ने रेन डिडेक्टर, दीप्ति, भारती, वंशिका ने अंधे व्यक्ति के लिए सेंसर का चश्मा तैयार किया। सेम ने आंख का मॉडल, पुनीत, कुनाल, यश ने स्मॉर्ट एसी, अनुष्का,

सुहानी और खुशी ने स्मार्ट हैंडवाश, तनवरी ने चंद्रयान मिसाईल, सिमरन और पूजा ने कारगो शिप, नितिन, जतिन व शुभम ने थर्मल पावर प्लांट, भूमि दिपांश, दिव्या ने वाटर कूलर का मॉडल, सानिया ने नैफरोन, ज्योति का और वंदना ने रिफ्लेक्शन लाइट का मॉडल तैयार किया। मुख्यातिथि प्रोफेसर डॉ. रूपेश देशमुख और प्रोफेसर सुनील गुप्ता बच्चों के वर्किंग मॉडल से इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कैश प्राइज, किटबैग और स्टेशनरी का दूसरा सामान भेट किया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में हासिल किया तीसरा स्थान

महेंद्रगढ़। शहर के लिए गर्व का विषय है कि डीपीएस स्कूल का छात्र प्रथम अरोड़ा ने अपनी शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रथम अरोड़ा ने सिल्वर जोन ऑलीपियांड लेवल दो में गणित और रीजनिंग दोनों विषय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल उनके विद्यालय, बल्कि पूरे महेंद्रगढ़ शहर नाम रोशन किया है। इतनी कठिन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें ब्रॉन्ज मेडल के साथ-साथ नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए हैं। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने भी प्रथम की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

हैप्पी स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। विद्यालय में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026–27 के शुभारंभ अवसर पर अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ वैदिक हवन-यज्ञ आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल एवं उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल सहपरिवार यजमान के रूप में उपस्थित रहे। इस पवित्र आयोजन का संचालन प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि हवन हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो हमें प्रकृति एवं सृष्टि के मूल तत्वों से जोड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण भाव के साथ अध्ययन कर अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में हनुमान स्तुति, श्रीराम चालीसा, भजन एवं कीर्तन के माध्यम से वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक रंग में रंग गया। विद्यालय प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल एवं मैनेजर चंचल अग्रवाल ने कहा कि भारतीय परंपरा में किसी भी शुभ कार्य के आरंभ से पूर्व हवन-यज्ञ का विशेष महत्व होता है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा का नाश एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक उपस्थित रहे और सभी ने हवन में आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर समस्त प्रबंधन समिति, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के काफिले को रोकना ओछी मानसिकता: अभिषेक

महेंद्रगढ़। इनसो के पूर्व जिलाध्यक्ष व युवा जननायक जनता पार्टी प्रदेश संगठन सचिव अभिषेक कुरहावटा के हिसार में प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले को पुलिस द्वारा जबरन रोकने, हथियार दिखाने और धमकी देने की घटना पर कड़ा रोष प्रकट किया है। अभिषेक कुरहावटा ने इसे प्रदेश के लोकतंत्र के लिए एक काला दिन बताते हुए सरकार और पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई की घोर निंदा की है। युवा जेजेपी नेता ने कहा कि हिसार में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ जो व्यवहार किया गया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार अब सरेआम गुंडागर्दी पर उतर आई है।

भाजपा लगा रही है अपनी नाकामी छिपाने के लिए कांग्रेस पर झूठे आरोप: राव नरेंद्र सिंह

भाजपा को महिलाओं के सम्मान की चिंता कम और राजनीतिक लाभ की चिंता ज्यादा: कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महिला आरक्षण बिल पास न होने पर जब भाजपा ने कांग्रेस को दोषी ठहराया, इसको लेकर हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा जनता को गुमराह कर रही है और अपनी राजनीतिक विफलता छिपाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगा रही है।

उन्होंने ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के आरक्षण के खिलाफ कभी नहीं रही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का समर्थन कांग्रेस ने पहले भी किया था, लेकिन भाजपा ने इसे परिसीमन और सीटों के पुनर्गठन जैसे विवादित मुद्दों से जोड़कर राजनीतिक खेल खेलने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों को भी सत्ता के लाभ से जोड़ रही है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा झूठा प्रचार कर रही है। कांग्रेस महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में है, लेकिन सरकार ने बिल को ऐसे स्वरूप में लाया, जिसमें संघीय ढांचे और लोकतंत्र पर असर पड़ता। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के नाम पर राजनीति कर रही है।

नारनौल। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते राव नरेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव झुकिया, महिला जिला अध्यक्ष डॉ. राज सुनेश, डॉ. मनीष शर्मा, एडवोकेट पीसी गुप्ता, सूरज बोहरा, विनोद शर्मा पूर्व सरपंच, संदीप नूनीवाल, कुलदीप भरगढ़, खेमचंद, कृष्ण पटीकरा, मनपाल यादव आदि मौजूद रहे।